**Worksheet Module 1 By 1 Class-VII**

**Subject-Hindi Topic- Unseen Passage**

|  |
| --- |
| नीचे लिखे अपठित गद्यांष को ध्यानपूर्वक पढकर सभी प्रष्नों के उत्तर लिखिए-  आज से करीब डेढ हजार साल पहले की बात है। उस जमाने में आज के पटना षहर को पाटलिपुत्र कहते थे। वह बहुत बडा नगर था। इस नगर में बहुत से बाग-बगीचे थे, बडी तादाद में फूल खिलते थे, इसलिए इस नगर को कईं लोग कुसुमपुर भी कहते थे। पाटलिपुत्र नगर नंद, मौर्य और गुप्त सम्राटों की राजधानी था। दूर-दूर तक इस नगर की कीर्ति फैली हुई थी। राजधानी होने के कारण देषभर के प्रतिष्ठित पंडित यहॉ एकत्र होते थे। प्रख्यात नालंदा विष्वविद्यालय भी पटना से भी ज्यादा दूर नहीं था। देष के ही नहीं दूसरे देषों के विद्यार्थी भी विषेष अध्ययन के लिए नालंदा और पाटलिपुत्र पहुचते थे। उस समय पाटलिपुत्र नगर ज्योतिष अध्ययन के लिए मषहूर था। इसी नगर की बात है। उस दिन सवेरे से ही नगर में काफी चहल-पहल थी। गंगा, सोन और गंडक नदियों के संगम की ओर लोगों की भीड उमड़ पडी थी। बात ऐसी थी कि उस दिन अपराह्न में सूर्यग्रहण लगने वाला था। भरी दोपहर में धरती पर अंधकार छा जाने वाला था। लोगों में यह प्रचालित था कि राहु नाम का राक्षस सूर्य को निगल जाता है, जब ग्रहण लगता है। ग्रहण के समय उपवास रखना चाहिए, खूब दान-पुण्य करना चाहिए। तभी इस राक्षस के चुंगल से सूर्य देवता को जल्दी से जल्दी मुक्ति मिलती है।  क- पाटलिपुत्र को किस अन्य नाम से भी जाना जाता था ?  ख- सूर्य ग्रहण को लेकर लोगों के मन में क्या धारणा थी ?  ग- पाटलिपुत्र नगर किस विषय के अध्ययन के लिए मषहूर था ?  घ- प्रचारित षब्द में मूल षब्द और प्रत्यय अलग करके लिखिए ?  ङ- सूर्य के पर्यायवाची लिखिए । |